पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'टॉक्सिक' की फर्जी खबरों पर भड़कीं कियारा आडवाणी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 58 ■ गुरुवार 7 मई 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

नहीं थम रहा ड्रग्स का कारोबार

नारकोटिक्स विभाग की कार्रवाई **शहर में बिक रहा मौत का सामान, कल्याण में बड़ी कार्रवाई**

1,745 करोड़ रुपये की ड्रग्स पर कार्रवाई

भिवंडी के रहनाल स्थित गोदाम से 1,745 करोड़ रुपये की ड्रग्स ज़ब्त की गई.

उल्हासनगर. कुछ दिन पहले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने ठाणे जिले में 1,745 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त की थी। इस ऑपरेशन के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी NCB टीम की तारीफ की थी। हैरानी इस बात पर जताई जा रही है कि यह ऑपरेशन ठाणे जिले के भिवंडी और नवी मुंबई शहरों में हुआ। भिवंडी के एक गोदाम में इतना बड़ा स्टॉक मिला। इससे यह पता चला है कि ठाणे जिले में ड्रग्स रखने के लिए गोदामों का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या ठाणे जिला ड्रग्स का अड्डा बनता जा रहा है।

NCB ने ऑपरेशन 'व्हाइट स्ट्राइक' के तहत संगठित ड्रग तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की। इस ऑपरेशन में कोकीन तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। इस ऑपरेशन के लिए NCB टीम ने पिछले छह महीने से एक सीक्रेट सिस्टम तैयार किया था। वे तस्करों की सभी हरकतों पर लगातार नजर भी रख रहे थे। इसके बाद टीम ने नवी मुंबई के कलंबोली इलाके और भिवंडी के रहनाल इलाके में रेड मारी। खास बात यह है कि गोदाम का इस्तेमाल करके ड्रग्स का स्टोरेज और स्मगलिंग चल रही थी। NCB ने इस ऑपरेशन में कुल 1,745 करोड़ रुपये की ड्रग्स ज़ब्त कीं।

कुछ दिन पहले, मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने ठाणे रूरल पुलिस के तहत टिटवाला में रेड मारी थी। इस रेड में अश्विनी पॉल को गिरफ्तार किया गया था। उसके घर से पांच से छह करोड़ रुपये के ड्रग्स ज़ब्त किए गए। इसी तरह, मीरा भयंदर में भी जवान लोग 'ज़ॉम्बी' की तरह घूमते मिले। उसके बाद पता चला कि शहर में अमेरिका की तरह 'ज़ॉम्बी ड्रग्स' बेचे जा रहे थे।

स्टाक करने गोदामों का किया जा रहा इस्तेमाल

ठाणे जिले के भिवंडी, नवी मुंबई, मुंब्रा-शिलफाटा इलाकों में बड़े पैमाने पर गोदाम हैं। उरण JNPA, गुजरात से हज़ारों मालवाहक गाड़ियां निकलती हैं और भिवंडी, मुंब्रा, नवी मुंबई शहरों के गोदामों में आती हैं। भिवंडी इलाके में कई गोदाम गैर-कानूनी तरीके से बनाए गए हैं। ठाणे जिले में मुंबई नासिक हाईवे, घोड़बंदर, मुंब्रा बाईपास, शिलफाटा जैसी सड़कों का जाल है। इस वजह से कहा जाता है कि तस्कर सड़कों के ज़रिए ड्रग्स की स्मगलिंग कर पाते हैं।

नारकोटिक्स कंट्रोल डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने की छापेमारी

नारकोटिक्स कंट्रोल डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने KWC वेयरहाउसिंग कॉम्प्लेक्स, सेक्टर KWC, कलंबोली, नवी मुंबई के पास एक गाड़ी को रोका। जब गाड़ी की जांच की गई, तो उसमें से कोकीन के 136 पैकेट ज़ब्त किए गए। इनमें से हर पैकेट का वज़न करीब एक किलोग्राम था। ये पैकेट एक बड़े बॉक्स में रखे गए थे। इनमें क्रिकेट पैड और ग्लव्स का इस्तेमाल करके कोकीन छिपाई गई थी। इस ऑपरेशन में मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उससे कड़ी पूछताछ के दौरान रोपी ने टीम को भिवंडी में एक बड़े गोदाम के बारे में जानकारी दी। इसके बाद टीम ने भिवंडी के रहनल गांव के लक्ष्मण कंपाउंड इलाके में बने गोदाम में एक और ऑपरेशन किया। इस ऑपरेशन में कोकीन के 213 और पैकेट जब्त किए गए, जिनका वजन एक-एक किलोग्राम था।

21.40 लाख का 107 किलो गांजा जब्त

- नशा निरोधक टीम की बड़ी कार्रवाई
- 3 आरोपी गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण परिमंडल-3 की एंटी नारकोटिक्स (नशा निरोधक) टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 107 किलो से ज्यादा गांजा जब्त किया है। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए गांजे की कीमत करीब 21.40 लाख रुपये बताई जा रही है।

डीसीपी अतुल झेंडे ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि 4 मई को पुलिस उपायुक्त (परिमंडल-3) के निर्देश पर विशेष टीम गश्त पर थी। इसी दौरान दोपहर करीब 2 बजे खड़कपाड़ा थाना क्षेत्र के वाडेघर डंपिंग ग्राउंड के पास सार्वजनिक सड़क किनारे तीन संदिग्ध युवक आपस में बातचीत करते हुए नजर आए। उनके पास हरे और सफेद रंग की बोरियां देखकर पुलिस को शक हुआ।

जब पुलिस टीम पूछताछ के लिए आगे बढ़ी तो तीनों युवक भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया। पंचों की मौजूदगी में तलाशी लेने पर उनके पास से 107 किलो 50 ग्राम गांजा, 10,500 रुपये नकद और 3 मोबाइल फोन बरामद किए गए। कुल जब्ती 21.91 लाख रुपये की है।

यह पूरी कार्रवाई कल्याण परिमंडल-3 की विशेष टीम और खड़कपाड़ा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक डॉ अमरनाथ वाघमोडे, एपीआई अनिल गायकवाड़ के मार्गदर्शन में संयुक्त रूप से की गई। डीसीपी अतुल झेंडे ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में नशे के कारोबार के खिलाफ आगे भी

आरोपी 9 मई तक पुलिस हिरासत में...

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वसीम नुरूजमा खान उर्फ पिला (36, भिवंडी), दिनेशकुमार संजीवन सरोज (30, ठाणे) और मोहित मेवालाल वर्मा (27, मुलुंड) के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ खड़कपाड़ा पुलिस थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अदालत में पेश करने के बाद आरोपियों को 9 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि तीनों आरोपी पहले भी नशे के मामलों में शामिल रह चुके हैं।

होटल S 3 पार्क में युवती की आत्महत्या का मामला

फरार आरोपी भगवान लोटे की जमानत खारिज

अंबरनाथ. अंबरनाथ के होटल एस3 पार्क में एक युवती को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले भगवान लोटे की गिरफ्तारी से पूर्व की जमानत अर्जी कल्याण सत्र न्यायालय ने नामंजूर कर दी है. भगवान लोटे पर अब गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है. अंबरनाथ पुलिस में अपराध दाखिल होने के बाद से भगवान लोटे फरार है.

अंबरनाथ पुलिस ने युवती की आत्महत्या को आकस्मिक मौत दर्ज की थी. युवती की माता द्वारा लोटे के खिलाफ अपराध दर्ज किया था. 21 अप्रैल को भगवान लोटे के खिलाफ अपराध दर्ज हुआ था. तब से वह फरार था. पुलिस उसका तलाश कर रही है. आखिर आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कल्याण कोर्ट का सहारा लिया, जहां मंगलवार को आरोपी की जमानत अर्जी नामंजूर करते हुए खारिज कर दी गई. जिस दिन घटना हुई थी, उस दिन पुलिस ने भगवान लोटे से ढाई घंटे तक पूछताछ की थी. बाद में उसे छोड़ दिया गया था.

युवती की माता और उसकी बहन ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए मांग की है कि इस घटना की जांच सीबीआई मार्फत कराई जाए. उनका कहना है कि उनकी बेटी की हत्या की गई है. क्योंकि आरोपी भगवान लोटे के आफिस में युवती काम किया करती थी. लोटे ने ही उसे होटल एस 3 पार्क में बुलाया था. उसको काम पर वापस आने के लिए वह दबाव डाल रहा था. लोटे को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग उन्होंने की है.

ATM से बैटरी चुराने वाला गिरफ्तार

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप नंबर 4 इलाके में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत श्रीराम चौक इलाके में मौजूद एस बैंक ATM से हेलमेट पहने एक अनजान आदमी ने बैटरी चुरा ली। विट्ठलवाड़ी पुलिस ने इस क्राइम की जांच की और चोर को ट्रैक करके उसे गिरफ्तार कर लिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, उल्हासनगर शहर के कैंप नंबर 4 इलाके में श्रीराम चौक पर एस बैंक का ATM है। बिजली जाने पर मशीन को चालू रखने के लिए इस ATM में तीन बैटरी लगाई गई थीं। इसके अलावा, सुरक्षा के लिए CCTV कैमरे भी लगाए गए हैं। दोपहर करीब 1:30 बजे हेलमेट पहने एक अनजान चोर ATM में घुसा और तीन बैटरी चुरा लीं। इस घटना का खुलासा ATM से मिले CCTV फुटेज से हुआ। इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया।

विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कोली और पुलिस इंस्पेक्टर चंद्रहार गोडसे के गाइडेंस में सुजीत काटी, हरिचंद्र घने, दीपक पाटिल, सचिन पाटिल, सुनील गावित, हनुमान सावंत की टीम ने जांच की और आखिरकार इस मामले में आरोपी अजय शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। चोरी हुई तीनों बैटरियों की कीमत करीब बीस हजार रुपये बताई जा रही है। विट्ठलवाड़ी पुलिस आगे की जांच कर रही है।

न्यायिक हिरासत में कैदी की मौत से हंगामा

- कल्याण की आधारवाड़ी जेल की घटना
- जेल प्रशासन की लापरवाही से मौत
- हिललाईन पुलिस ने किया था गिरफ्तार
- परिजनों का सेंट्रल अस्पताल में हंगामा

कल्याण. कल्याण की आधारवाड़ी जेल में न्यायिक हिरासत में एक कैदी की मौत से हंगामा मच गया है। मरने वाले कैदी का नाम ऋषिकेश पवार है, और उसके रिश्तेदारों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि जेल प्रशासन की लापरवाही की वजह से उसकी मौत हुई। चौंकाने वाली बात यह है कि ऋषिकेश को इलाज के लिए एम्बुलेंस के बजाय जेल सुपरिटेंडेंट की प्राइवेट बोलेरो कार में हॉस्पिटल लाया गया था। जब उसे शाम 5 बजे सीने में दर्द हो रहा था, तो उसे सुबह 9 बजे तक हॉस्पिटल क्यों नहीं लाया गया?

रिश्तेदारों ने गुस्से में सवाल उठाते हुए उल्हासनगर के सेंट्रल हॉस्पिटल में हंगामा किया। डोंबिवली का रहने वाला ऋषिकेश पवार एक झगड़े के मामले में उल्हासनगर के हिल लाइन पुलिस स्टेशन में दर्ज केस के तहत कल्याण की आधारवाड़ी जेल में कस्टडी में था। 20 अप्रैल को उल्हासनगर हिललाइन पुलिस ने एक वीकली मार्केट वेंडर से हुए झगड़े में हत्या की कोशिश का केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार किया था और कोर्ट के ऑर्डर के बाद उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में कल्याण आधारवाड़ी जेल में रखा गया था।

इसी बीच, कल शाम करीब 5 बजे ऋषिकेश को सीने में दर्द होने लगा। लेकिन, हॉस्पिटल ले जाने के बजाय, उसे रात करीब 9:30 बजे उल्हासनगर के सेंट्रल हॉस्पिटल ले जाया गया। इस बार, हॉस्पिटल ले जाने के बजाय, उसे जेल प्रशासन की प्राइवेट बोलेरो कार में लाया गया। गुस्साए रिश्तेदारों ने कहा, 'अगर उसे समय पर हॉस्पिटल ले जाया गया होता, तो वह बच जाता।' उन्होंने हॉस्पिटल में हंगामा करते हुए आरोप लगाया कि जेल प्रशासन की लापरवाही की वजह से उसकी जान चली गई। इस बीच, परिवार ने इस मामले में इंसाफ न मिलने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। इस घटना ने जेल प्रशासन के काम करने के तरीके पर सवाल खड़े कर दिए हैं, और इस मौत की पूरी जांच की मांग की जा रही है।

सीने में सरिया घुसने से बालक की मौत

कल्याण. फुटबॉल खेलते वक्त छाती में सरिया घुसने से एक 15 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा होते ही कक्ष पाटील नामक युवक को गंभीर अवस्था में कल्याण के आयुष हॉस्पिटल में भर्ती किया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार 15 वर्षीय कक्ष पाटील अपने भाई-बहनों के साथ मैदान पर फुटबॉल खेल रहा था। खेलते-खेलते संतुलन बिगड़ने से कक्ष सरिए पर गिरा। लोहे का सरिया कक्ष की छाती में घुस गया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। कक्ष का चचेरे भाई कौस्तुभ दौड़कर घर पहुंचा, और परिजनों को इस हादसे की खबर दी। परिजनों ने जब मैदान पर आकर देखा, तो कक्ष की छाती में सरिया घुसने से वह बेहोशी की हालत में था।

किडनी के बदले 32 लाख की ठगी

- कल्याण के डाक्टर समेत 7 आरोपियों पर मामला दर्ज

कल्याण. कल्याण पूर्व चिंचपाड़ा परिसर के एक डाक्टर द्वारा एक मरीज की किडनी प्रत्यारोपण के नाम पर करीब 32 लाख रूपये की रकम की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है पीड़ित मरीज की पत्नी की शिकायत पर आरोपी डाक्टर और अन्य उसके 6 साथी कुल 7 आरोपियों के खिलाफ उल्हासनगर की विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी किए जाने का मामला दर्ज किया गया हैं इस मामले की विस्तार से जांच पड़ताल विठ्ठलवाडी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली द्वारा की जा रही हैं.

कल्याण (पूर्व) में एक महिला से उसके पति के लिए किडनी डोनर का इंतजाम करने और ट्रांसप्लांट सर्जरी कराने के नाम पर 31.67 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। इस घटना के मुख्य विवरण के अनुसार कल्याण पूर्व की रहने वाली दीपाली चव्हाण, जिनके पति को किडनी ट्रांसप्लांट की सख्त जरूरत थी। आरोपियों ने पीड़िता को भरोसा दिलाया कि वे किडनी डोनर का इंतजाम कर देंगे और सर्जरी पूरी करवाएंगे। जुलाई 2024 से मार्च 2025 के बीच, डोनर व्यवस्था और मेडिकल खर्चों के नाम पर पीड़िता से ऑनलाइन माध्यम से 31,67,200 ऐंठे गए। जब न तो डोनर मिला और न ही सर्जरी हुई, और आरोपियों ने पीड़िता के फोन उठाना बंद कर दिया, तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ।

पुलिस ने समर्थ अस्पताल (कल्याण) के डॉ. गौरव नायर और छह अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अन्य आरोपियों में मौसमी जयदेव बिस्वास, अमित मन्ना, सुमंत पांडे, इकबाल जहीर खान और मोहम्मद शोएब अंसारी शामिल हैं। ऐसी जानकारी उल्हासनगर पुलिस परिमंडल 4 के पुलिस उपायुक्त द्वारा दी गई हैं।

अंबरनाथ में मेडिकल स्टूडेंट्स का सफर अब होगा आसान

जिला नियोजन निधि से 50-सीटर बस शुरू

अंबरनाथ. पिछले कई दिनों से अंबरनाथ के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे स्टूडेंट्स की आने-जाने की बड़ी समस्या अब हल हो गई है। जिला नियोजन समिति के फंड से इन स्टूडेंट्स के लिए 50-सीटर बस उपलब्ध कराई गई है और यह बस सर्विस हाल ही में MLA डॉ. बालाजी किणीकर और कॉलेज के डीन डॉ. संतोष वर्मा की मौजूदगी में शुरू की गई।

अंबरनाथ में कॉलेज की जगह का मामला अभी कोर्ट में पेंडिंग होने की वजह से, अभी 200 स्टूडेंट्स चिखलोली में एक प्राइवेट बिल्डिंग में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। जबकि स्टूडेंट्स को पढ़ाई के लिए उल्हासनगर और कल्याण के हॉस्पिटल जाना पड़ता है। ट्रेनिंग के लिए इन स्टूडेंट्स को हर दिन अपने खर्चे पर उल्हासनगर और कल्याण के गवर्नमेंट हॉस्पिटल जाना पड़ता था। इस पैसे और आने-जाने के बोझ को ध्यान में रखते हुए यह बस सर्विस शुरू की गई है।

अंबरनाथ शहर में दो साल पहले एक गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज शुरू किया गया था। अभी अंबरनाथ के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में 200 स्टूडेंट्स पढ़ रहे हैं। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज शुरू तो हो गया है, लेकिन कॉलेज की अपनी बिल्डिंग अभी तक नहीं बनी है। इस बिल्डिंग की जगह का मामला कोर्ट में है। चूंकि अंबरनाथ शहर में कोई डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल नहीं है और खासकर कोई ऐसा गवर्नमेंट हॉस्पिटल नहीं है जहां सर्जरी हो सके, इसलिए स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग के लिए कल्याण-डोंबिवली मनपा हॉस्पिटल जाना पड़ता है।

शिवसेना MLA डॉ. बालाजी किणीकर, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. संतोष वर्मा और स्टूडेंट्स की मौजूदगी में स्टूडेंट्स के लिए यह बस सर्विस शुरू की गई। यह बस अब दिन भर चिखलोली कॉलेज से स्टूडेंट्स को अंबरनाथ, उल्हासनगर और कल्याण के अलग-अलग हॉस्पिटल ले जाएगी। इस बीच, अगले चार महीनों में कॉलेज में तीसरे बैच का एडमिशन होगा और स्टूडेंट्स की कुल संख्या 300 तक पहुंच जाएगी। इस बढ़ती संख्या को देखते हुए डीन डॉ. संतोष वर्मा ने एडमिनिस्ट्रेशन से दो और 25-सीटर बसों की मांग की है। यह भी उम्मीद जताई गई कि अगर ये

मकोका अदालत ने लूट के आरोपी को किया बरी

ठाणे. जिले की विशेष मकोका अदालत ने वर्ष 2022 के एक लूट मामले में 43 वर्षीय आरोपी को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी की पहचान पुख्ता तौर पर साबित करने में नाकाम रहा। विशेष मकोका अदालत के न्यायाधीश वी. जी. मोहिते ने कर्नाटक के बीदर निवासी बकर उर्फ बाबर अकरम अली को भारतीय दंड संहिता और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत लगे सभी आरोपों से मुक्त कर दिया।

अंबरनाथ में दर्गा उर्स संदल में भारी हंगामा

- कार चालक को पीटा
- कार तोड़ दी
- पुलिस में अपराध दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ में गैबन शाह वली दर्गा के उर्स के समय एक मई की रात में वुलन चाल रोड पर कुछ युवकों ने दर्गा पर संदल लाते समय शरारत करते हुए कार पर चढ़ कर डांस करने लगे. कार चालक को मना करने पर तीन और युवकों ने उन्हें गाली गलौज करते हुए मारपीट की, उनकी शर्ट को फाड़ दिया. कार के शीशे तोड़कर कार के पिछले भाग को नुकसान पहुंचाया. इस तरह कुल एक लाख 75 हजार का नुकसान किया. अंबरनाथ पुलिस में कार चालक ने चार अज्ञात युवकों पर अपराध दर्ज कराया है. शिकायतकर्ता शिक्षक है.

पुलिस ने चार आरोपियों पर अपराध दर्ज किया है. ये घटना उलन चाल रोड पर

एक मई की रात को रात में 9.20 बजे हुई है. अंबरनाथ पुलिस और अंबरनाथ मुस्लिम जमात का शहर में संदल निकालने वालों पर कोई अंकुश नहीं होने से ये घटना हुई है.

आपको याद होगा कि गत वर्ष भी संदल के जाते समय इसी उलन चाल रोड पर पटाखे फोड़ते समय एक महिला की आंक में पटाखे की चिंगारी जाने से उसका कई दिनों तक अस्पताल में उपचार चला. आखिर में उसकी एक आंख निकालनी पड़ी. उर्स के समय संदल निकालते समय और कितनी घटनाएं होगी, कहा नहीं जा सकता. क्योंकि संदल निकालने वालों पर किसी का कंट्रोल नहीं होता है.

साईं जीवनघोट की पुण्यतिथि पर छात्रों को कॉपियों का वितरण

उल्हासनगर. उल्हासनगर में साईं जीवनघोट की पुण्यतिथि (वरसी) के अवसर पर एक सराहनीय सामाजिक पहल के तहत सैकड़ों जरूरतमंद छात्रों को मुफ्त कॉपियों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं और कांग्रेस कमेटी के सहयोग से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

आयोजकों ने बताया कि यह तीन दिवसीय कार्यक्रम था, जिसमें पहले दो दिन छात्रों को कूपन वितरित किए गए और तीसरे दिन उन कूपनों के आधार पर कॉपियों का वितरण किया गया। प्रत्येक छात्र को छह कॉपियां दी गईं। लगभग 380 से 390 छात्रों को कूपन दिए गए थे, वहीं बिना कूपन वाले जरूरतमंद बच्चों को भी कॉपियां प्रदान की गईं। कुल मिलाकर करीब 700 कॉपियों का वितरण किया गया, और जरूरत के अनुसार आगे भी वितरण जारी रखने की व्यवस्था रखी गई। कार्यक्रम में शंकर आहुजा और कैलाश वाधवा का विशेष सहयोग रहा। आयोजकों ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में मदद करना है, ताकि वे पढ़ाई जारी रख सकें। महाराष्ट्र कांग्रेस के सिंधी सेल के अध्यक्ष शंकर आहूजा ने कहा कि यह कार्यक्रम उल्हासनगर की कांग्रेस कमेटी ने आयोजित किया है, सेवा दल ने ये पूरा आयोजन किया है। सेवा दल का मुख्य उद्देश्य निष्पक्ष भाव से समाज की सेवा करना है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल से लेकर अब तक वे लगातार जरूरतमंदों की सहायता करते आ रहे हैं और आगे भी ऐसे कार्य करते रहेंगे। इस आयोजन के माध्यम से लगभग 2000 बच्चों तक सहायता पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। आयोजकों ने विश्वास जताया कि समाज के सहयोग से भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे। इस अवसर पर कुलदीप ऐलसिंघानी, सेंट्रल ब्लॉक अध्यक्ष सुनील बहरानी, महादेव शेलार, अनिल यादव आदि उपस्थित थे।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

बदली तमिलनाडु की राजनीति

तमिलनाडु में सिनेमा और सियासत का खासा प्रभाव रहा है, जहां कई लोकप्रिय अभिनेताओं ने फिल्मी परदे से निकलकर सत्ता के गलियारों तक का सफर तय किया है। राज्य में अभिनेता से नेता बनने की परंपरा की नींव एमजी रामचंद्रन ने रखी थी। उन्होंने वर्ष 1972 में द्रमुक से अलग होकर अन्नाद्रमुक पार्टी का गठन किया और लंबे समय तक राज्य की सत्ता संभाली। अब तमिल सिनेमा के मशहूर अभिनेता विजय भी उनकी राह पर हैं। उनकी पार्टी टीवीके राज्य विधानसभा चुनावों में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है।

टीवीके की इस जीत को इसलिए अहम माना जा रहा है कि यह उसका पहला चुनाव था और उसने राज्य के इतिहास में एक बार फिर राजनीति की दिशा बदल दी है। इससे पहले यहां की सियासत केवल दो दलों द्रमुक और अन्नाद्रमुक के इर्द-गिर्द केंद्रित रहती थी। हालांकि, विजय की पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल पाया है, लेकिन राज्य में उनकी सरकार बननी लगभग तय है। अब देखना होगा कि सत्ता संभालने के बाद वे जनता की उम्मीदों पर कितने खरे उतर पाएंगे।

गौरतलब है कि तमिलनाडु की सियासत में एमजी रामचंद्रन के बाद कई फिल्मी सितारों ने कदम रखा, जिनमें जयललिता का नाम सबसे ऊपर है। अभिनेता विजयकांत और कमल हासन ने भी नए दलों का गठन किया, लेकिन उन्हें खास कामयाबी नहीं मिल पाई। इसके अलावा, रजनीकांत ने भी वर्ष 2020 में अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने का एलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने कदम वापस खींच लिए। वहीं, अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को बने हुए लगभग दो साल का ही वक्त हुआ है और पहले ही चुनाव में उसने राज्य की मुख्यधारा के दोनों दलों को करारी शिकस्त देकर शानदार जीत हासिल की है।

विजय को अभिनेता के रूप में जिस तरह की फिल्मों से लोकप्रियता मिली है, उनमें से ज्यादातर व्यवस्था की जटिलता एवं उसमें सुधार पर केंद्रित रही हैं। अब यह देखने की बात होगी कि इससे पहले सत्ता पर मजबूत पकड़ रखने वाली द्रमुक की राज्य में शासन और विकास की नीतियों के समांतर अब विजय और उनकी टीवीके तमिलनाडु की राजनीति को कौन-सी नई दिशा देते हैं।

विमर्श

फिर खुली फर्जी सेक्युलरिज्म की पोल

पांच राज्यों के चुनावों में से राहुल गांधी को असम और बंगाल के चुनाव नतीजे स्वीकार नहीं हैं। उनके शब्दों में, 'असम और पश्चिम बंगाल ऐसे स्पष्ट उदाहरण हैं, जहां भाजपा ने चुनाव आयोग के समर्थन से चुनाव चुराया है। हम ममता बनर्जी से सहमत हैं कि बंगाल में सौ से ज्यादा सीटें चुराई गईं। हमने पहले भी मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और 2024 के लोकसभा चुनाव में यह तरीका देखा है। चुनाव चोरी, संस्था चोरी-अब और चारा ही क्या है।'

आश्चर्यजनक रूप से उन्होंने केरलम, तमिलनाडु और पुडुचेरी के बारे में ऐसा कुछ नहीं कहा। केरलम के बारे में तो कह भी नहीं सकते थे, क्योंकि यहां कांग्रेस के नेतृत्व वाले मोर्चे ने जीत हासिल की है। चुनाव नतीजों के बाद उन्होंने तमिलनाडु में शानदार जीत हासिल करने वाले टीवीके के प्रमुख जोसेफ विजय को बधाई दी तो पराजय का सामना करने वाले स्टालिन से भी बात की।

ज्ञात हो स्टालिन ने चुनाव नतीजों को सहजता से स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी ने ममता बनर्जी से भी बात की और अपनी एक्स पोस्ट में कांग्रेस के उन लोगों को संभलने की सलाह दी, जो टीएमसी की हार पर खुशी मना रहे। यह वही राहुल गांधी हैं, जिन्होंने बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के ठीक पहले ममता को निशाने पर लेते हुए कहा था कि बंगाल में किसी को रोजगार चाहिए तो फिर टीएमसी में कोई न कोई रिश्तेदारी होनी चाहिए, नहीं तो फिर काम नहीं मिलने वाला। ममता पूरा का पूरा काम टीएमसी के गुंडों और अपनी पार्टी के लोगों के लिए करती हैं और

जनता की कोई भी मदद नहीं करतीं। उन्होंने यह भी कहा था, बंगाल में आज लोकतंत्र नहीं, टीएमसी का गुंडाराज चल रहा है।

आखिर राहुल अपनी ही बातों को इतनी जल्दी कैसे भूल सकते हैं? माना कि नेताओं की याददाश्त कुछ कमजोर होती है, पर कोई 10-12 दिन पहले की अपनी बातों को कैसे भूल सकता है? राहुल ने बंगाल में प्रचार के दौरान ही ममता को लेकर यह भी कहा था कि बंगाल में बढ़ते ध्रुवीकरण की वजह से ही भाजपा को मौका मिला। इससे इन्कार नहीं कि बंगाल में भाजपा की जीत के कई कारणों में से एक मतदाताओं का ध्रुवीकरण भी रहा। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के पर्याप्त कारण हैं कि भाजपा के पक्ष में बड़ी संख्या में हिंदू मतदाता गोलबंद हुए और इसलिए भी उसे बंपर जीत मिली, पर ऐसा केवल इसलिए नहीं हुआ कि भाजपा हिंदुत्व की राजनीति करती है। ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि कांग्रेस और तृणमूल सरीखे दल कथित सेक्युलरिज्म के नाम पर मुस्लिम वोटों को गोलबंद करने का काम करते हैं। वास्तव में यह काम खुद को सेक्युलर बताने वाले अधिकतर दल करते हैं। कांग्रेस देश भर में यही करती है और बंगाल में ममता भी यही कर रही थीं और इतना खुलकर कर रही थीं कि वह मुस्लिम तुष्टीकरण में बदल गया।

आम तौर पर मुस्लिम किसी दल के पक्ष में थोक वोट करते हैं और जबसे भाजपा का उभार हुआ है, तबसे वे खास तौर पर उस दल के पक्ष में वोट करते हैं, जो उसे हरा सकने में सक्षम दिखता है। इसके चलते कथित सेक्युलर दल उनकी गोलबंदी में अतिरिक्त परिश्रम करने लगे। वे उनके सामने भाजपा का हौवा खड़ा करते और उनका काम आसान हो जाता। मुस्लिम वोटों की इस गोलबंदी को ध्रुवीकरण के बजाय सेक्युलर राजनीति की संज्ञा दी जाने लगी।

इस फर्जी सेक्युलर राजनीति के चलते एक समय ऐसा आया कि भाजपा विरोधी दलों के लिए मुस्लिम वोट एक तरह के वीटो पावर बन गए। जब भाजपा ने मुस्लिम वोटों को एकजुट करने के जवाब में हिंदू वोटों को गोलबंदी करनी शुरू की तो उसके विरोधियों ने उस पर ध्रुवीकरण की सांप्रदायिक राजनीति करने ठप्पा लगाना शुरू किया। भाजपा ने इस ठप्पे की परवाह न करते हुए सेक्युलरिज्म को छद्म सेक्युलरिज्म की संज्ञा दी और वह उस पर इसलिए बुरी तरह चिपक गया, क्योंकि यही सच था।

निःसंदेह बंगाल में मुस्लिम वोटों के बंटवारे के कारण भी टीएमसी को नुकसान हुआ, लेकिन यदि ममता मुस्लिम समुदाय का इतना खुला तुष्टीकरण नहीं करतीं तो हिंदू भाजपा के पक्ष में खुलकर गोलबंद नहीं होते। ममता केवल इसलिए नहीं हारीं, क्योंकि मुस्लिम वोटों का बंटवारा हो गया और अधिसंख्य हिंदू वोट भाजपा के खाते में चले गए। वे इसलिए भी हारीं, क्योंकि उनका शासन पक्षपात और उनके नेताओं के भ्रष्टाचार संग उनकी गुंडागर्दी का पर्याय बन गया था।

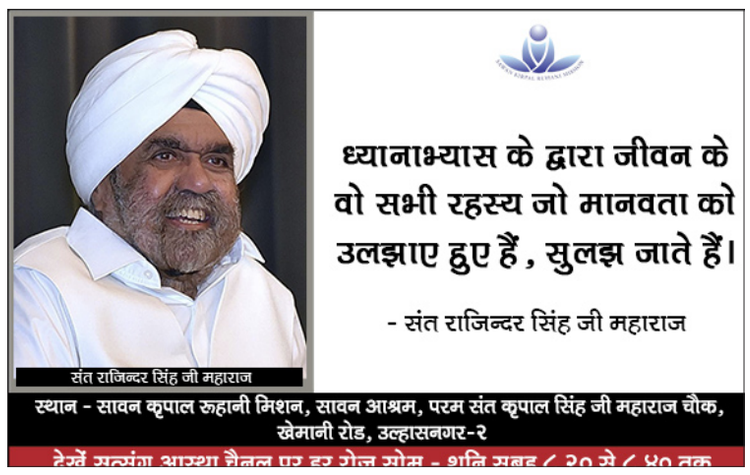

महिला आरक्षण पर दावे बड़े, हकीकत छोटी

देश की सभी पार्टियां राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का एक मत से समर्थन करती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किए जाने के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण का विधेयक पारित कराने में भी सभी दलों की भूमिका रही। मगर महिलाओं की नुमाइंदगी के सवाल पर संजीदा दिखने वाली लगभग सभी पार्टियां क्या तब तक इस मुद्दे पर ठोस पहल नहीं करेंगी, जब तक विधायिका में आरक्षण की व्यवस्था व्यवहार में लागू न हो जाए?

आखिर क्या वजह है कि देश में लोकसभा या फिर विधानसभा के लिए जब भी चुनाव होते हैं, तो उसमें पर्याप्त संख्या में महिलाओं को टिकट देने को लेकर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है? गौरतलब है कि चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों की ओर से जितनी महिलाओं को टिकट दिया गया और उनमें जीतने वालों की जो संख्या रही, वह महिला भागीदारी के सवाल पर राजनीतिक दलों के प्रचारित सरोकार के प्रति ईमानदारी को कठघरे में खड़ा करती है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत

हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। नतीजों के मुताबिक, इन पांचों प्रदेशों में कुल पांच फीसद सीटों पर ही महिलाएं चुनी गईं। इन राज्यों में अलग-अलग पार्टियों ने महिलाओं को टिकट देने में भी अपने घोषित सरोकारों के उलट रवैया अपनाया। मसलन, पश्चिम बंगाल में दो सौ सात सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आने वाली भाजपा ने सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन उसने सिर्फ तैंतीस सीटों पर महिलाओं को मौका दिया था।

जबकि तृणमूल कांग्रेस ने अपनी उम्मीदवारी के 291 सीटों में से 52 महिलाओं को टिकट दिया था। नतीजतन, राज्य की कुल सीटों में से सिर्फ दस फीसद महिलाएं जीत सकीं। दूसरी ओर, तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव हुआ, जहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी टीवीके 234 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसने सिर्फ चौबीस महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। असम में फिर से जीतने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने 126 सीटों में से केवल छह महिलाओं को टिकट दिया। केरल में जीत हासिल करने वाली यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को मौका दिया।

जाहिर है, तकरीबन सभी पार्टियों ने महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में कोई खास उत्साह नहीं दिखाया। हालांकि हाल ही में संसद में परिसीमन विधेयक पारित न होने के संदर्भ में महिला आरक्षण का सवाल चुनावी राजनीति का भी मुद्दा बना और भाजपा की ओर से इस मसले पर विपक्षी दलों पर सवाल उठाए गए। विडंबना यह है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के घोषित दावों के बरक्स टिकट देने के मामले में भाजपा सहित सभी पार्टियों के भीतर इच्छाशक्ति की कमी दिखती है।

क्या यही सबसे बड़ी वजह नहीं है कि विधायिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और एक न्यायपूर्ण संतुलन के लिए आरक्षण की जरूरत पड़ी? महज औपचारिकता पूरी करने के लिए किसी महिला को टिकट देना सरोकारों के प्रति ईमानदारी को नहीं दर्शाता है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि महिला आरक्षण की व्यवस्था को जल्द लागू किया जाए और उसके समांतर सभी राजनीतिक दलों की ओर से महिलाओं को अधिकार के रूप में ज्यादा से ज्यादा अवसर देने को लेकर ईमानदारी से पहल हो।

ये है दुनिया का सबसे पुराना बैंक

जरा हट के

जब आधुनिक बैंकिंग, एटीएम, वॉल्ट और डिजिटल लॉकर की कोई कल्पना भी नहीं थी, तब मोरक्को के अमेजीग (बरबर) लोगों ने 700 साल पहले एक ऐसा सिस्टम बना दिया था जो आज भी इंजीनियरिंग और ट्रस्ट का कमाल माना जाता है. ये हैं इगौदार – पत्थर, मिट्टी और लकड़ी से बने मजबूत सामुदायिक भंडारण किले थे, जिन्हें दुनिया का सबसे पुराना कम्युनिटी बैंकिंग सिस्टम कहा जाता है.

अनाज तक करते थे स्टोर

एंटी एटलस पहाड़ियों की खुरदुरी चट्टानों के बीच छिपे ये इगौदार (अगादिर भी कहे जाते हैं) करीब 12वीं से 15वीं शताब्दी के आसपास बनाए गए थे. अमेजीग जनजातियां इन्हें सिर्फ अनाज रखने के लिए नहीं, बल्कि सोना, चांदी, आभूषण, हथियार, कपड़े, तेल, खजूर और महत्वपूर्ण कानूनी दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल करती थी. हर परिवार

का अपना अलग लॉक चैंबर होता था, जिसका ताला लकड़ी से बना होता था. ये ताले इतने सुरक्षित थे कि आज भी उनके सिद्धांत आधुनिक तालों से मिलते-जुलते हैं. इगौदार का प्रबंधन एक भरोसेमंद व्यक्ति करता था, जिसे 'कीपर' या 'एमिन' कहा जाता था. ये व्यक्ति बैंक मैनेजर की तरह काम करता था. परिवारों की चाबियां उसी के पास रहती थीं और बिना उसकी अनुमति के कोई चैंबर नहीं खोला जा सकता था. ये सिस्टम सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था का केंद्र था. यहां मीटिंग होती थीं, व्यापार होता था और विवादों का निपटारा भी होता था.

इगौदारों में सबसे प्रसिद्ध और पुराना Agadir Imchguiguiln आज भी खड़ा है. यह लगभग 13वीं शताब्दी का माना जाता है. इसमें 130 से ज्यादा चैंबर हैं, एक मस्जिद, सेंट्रल स्क्वायर और मजबूत दीवारें हैं. युद्ध के समय यह किला पूरे गांव के लोगों और उनके सामान की रक्षा करता था. पहाड़ी की चोटी पर बने इन किलों की दीवारें इतनी मोटी और मजबूत होती थीं कि दुश्मन आसानी से तोड़ नहीं पाते थे. इंजीनियरिंग की दृष्टि से ये इगौदार कमाल के थे. मिट्टी, चट्टान और पाम ट्री की लकड़ी से बने ये भंडारण प्राकृतिक रूप से तापमान नियंत्रित रखते थे. गर्मी और नमी से अनाज खराब नहीं होता था. आज के समय में भी ये सस्टेनेबल आर्किटेक्चर का बेहतरीन उदाहरण हैं.

हनी-जिंजर आइस टी

गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेटेड और रिफ्रेश रखने के लिए हम अक्सर ठंडी ड्रिंक्स की तरफ भागते हैं, जिनमें आइस टी हर किसी की पसंदीदा होती है। लेकिन बाजार की रेडीमेड आइस टी में मौजूद एक्स्ट्रा शुगर और केमिकल प्रिजर्वेटिव्स फायदे की जगह हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए आज हम आपके लिए लेकर आए हैं बेहतरीन और सेहतमंद लेमन आइस टी । ये घर पर बनी ड्रिंक्स न सिर्फ आपको तुरंत ठंडक देंगी, बल्कि आपके शरीर को डिटॉक्स भी करेंगी। आइए देखते हैं इन्हें बनाने का सबसे आसान तरीका।

सामग्री-

- पानी- 2 कप
- चाय पत्ती- 1 बड़ा चम्मच
- चीनी या शहद- स्वादानुसार
- नींबू का रस- 2 बड़े चम्मच
- बर्फ के टुकड़े- ढेर सारे
- पुदीने की पत्तियां- सजाने के लिए
- नींबू के स्लाइस- गार्निशिंग के लिए

बनाने की विधि-

सबसे पहले एक सॉसपैन में 2 कप पानी उबालें। जब पानी उबलने लगे, तो गैस बंद कर दें और इसमें चाय पत्ती डालें।

इसे ढककर 2-3 मिनट के लिए छोड़ दें। ध्यान रहे, चाय को ज्यादा देर न उबालें, वरना स्वाद कड़वा हो सकता है।

अब चाय को छान लें और इसमें चीनी या शहद मिलाकर अच्छी तरह घोल लें। इसे कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें और फिर 30 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें।

इसके बाद एक लंबे गिलास में ढेर सारी बर्फ डालें। अब इसमें तैयार ठंडी चाय और नींबू का रस मिलाएं।

पुदीने की पत्तियों और नींबू के स्लाइस से सजाकर इसे एकदम ठंडा सर्व करें।

भारत में 80% लोगों में है विटामिन-डी की कमी

विटामिन-डी का सबसे बेहतरीन सोर्स सूरज की रोशनी यानी धूप है, लेकिन फिर भी भारत में ज्यादातर लोगों में इसकी कमी देखने को मिलती है। विटामिन-डी की कमी का असर सिर्फ हमारी हड्डियों पर ही नहीं, बल्कि पूरी सेहत पर होता है। इसलिए विटामिन-डी की कमी से बचाव करना काफी जरूरी है। इसकी कमी की पहचान करने के लिए शरीर के कुछ संकेतों को पहचानना जरूरी है। आइए जानें विटामिन-डी की कमी होने पर शरीर में कैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

■ लगातार थकान और एनर्जी की कमी

अगर आप पूरी नींद लेने के बाद भी हर समय थका हुआ महसूस करते हैं, तो यह विटामिन-डी की कमी का शुरुआती लक्षण हो सकता है। दिन में बार-बार नींद आना या एनर्जी की कमी महसूस होना विटामिन-डी की कमी का सबसे बड़ा संकेत है।

■ हड्डियों और पीठ में दर्द

विटामिन-डी कैल्शियम के अब्जॉर्प्शन के लिए जरूरी है। यानी

इन 5 लक्षणों से पहचानें कहीं आप भी तो नहीं इनमें शामिल

अगर आपके शरीर में विटामिन-डी नहीं है, तो आपका शरीर कैल्शियम को अब्जॉर्ब नहीं कर पाएगा। इसके कारण हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। इसका सबसे कॉमन लक्षण पीठ के निचले हिस्से में दर्द या जोड़ों में दर्द है।

■ बार-बार बीमार पड़ना

मौसम में हल्के बदलाव पर भी

आपको सर्दी-जुकाम या बुखार हो जाता है, तो यह विटामिन-डी की कमी के कारण हो सकता है। विटामिन-डी की कमी इम्युनिटी को कमजोर कर देती है। इसलिए शरीर बैक्टीरिया और दूसरे कीटाणुओं से लड़ नहीं पाते।

■ मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द

विटामिन-डी की कमी के कारण हड्डियों के साथ-साथ मांसपेशियां भी कमजोर होने लगती हैं। इसके कारण मांसपेशियों में लगातार ऐंठन महसूस हो सकता है।

■ घाव भरने में देरी और बालों का झड़ना

चोट भरने में काफी समय लगना भी विटामिन-डी की कमी का संकेत है। इसके अलावा, अगर आपके बाल ज्यादा झड़ रहे हैं, तो भी यह विटामिन-डी की कमी का संकेत हो सकता है।

विटामिन-डी की कमी को कैसे दूर करें?

- अगर आपको लक्षण दिखाई दें, तो सबसे पहले ब्लड टेस्ट करवाएं। इससे पता चल जाएगा कि आपके शरीर में विटामिन-डी का लेवल क्या है। इसके बाद डॉक्टर की सलाह से आप विटामिन-डी सप्लीमेंट्स ले सकते हैं। ध्यान रहे कि विटामिन-डी सप्लीमेंट्स के साथ हेल्दी फैट्स लेना भी जरूरी है।
- साथ ही, विटामिन-डी की कमी पूरी करने के लिए रोज सुबह 10 से दोपहर 3 बजे के बीच 15-20 मिनट धूप में बैठना काफी असरदार साबित हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

वृषभ : ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मिथुन : नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रमाद न करें।

कर्क : व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे।

सिंह : राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें। तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

कन्या : व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें।

तुला : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शत्रुओं का पराभव होगा।

वृश्चिक : प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

धनु : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर : आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

कुंभ : कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धनार्जन होगा।

मीन : नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

केमिकल से पका आम कैसे पहचानें?

फलों को जल्दी पकाने के लिए अक्सर कैल्शियम कार्बाइड जैसे हानिकारक केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। FSSAI ने इसके इस्तेमाल पर सख्त प्रतिबंध लगाया हुआ है, फिर भी गैर-कानूनी रूप से इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। ऐसे में अपनी और अपने परिवार की सेहत को सुरक्षित रखने के लिए केमिकल से पके आमों को पहचानना बेहद जरूरी है। अच्छी खबर यह है कि कुछ आसान तरीकों से आप असली और मिलावटी आम की पहचान कर सकते हैं। आइए जानें कैसे।

■ रंग और बाहरी बनावट

केमिकल से पके आम देखने में बहुत आकर्षक और चमकदार पीले नजर आते हैं। इनकी सबसे बड़ी पहचान यह है कि इनका रंग पूरी तरह से एक जैसा होता है। वहीं, प्राकृतिक रूप से पके आमों पर रंग की असमानता दिखाई देती है। उनमें कहीं गहरा पीला तो कहीं हल्का हरा या लाल रंग का मिश्रण हो सकता है। अगर आम के छिलके पर कहीं-कहीं सफेद या काले धब्बे नजर आ रहे हैं, तो यह केमिकल के निशान हो सकते हैं।

■ खुशबू से पहचान

आम की पहचान उसकी भीनी और मीठी खुशबू से होती है। प्राकृतिक रूप से पका आम हाथ में लेते ही एक खास सुगंध देता है। लेकिन अगर आम को कैल्शियम कार्बाइड से पकाया गया है, तो उसमें से अजीब सी तीखी या केमिकल जैसी गंध आती है। कई बार ऐसे आमों में कोई खुशबू होती ही नहीं है।

■ पानी में डूबने का टेस्ट

यह सबसे भरोसेमंद और आसान घरेलू तरीका है। एक बाल्टी में पानी भरें और आमों को उसमें डालें।

असली आम- अगर आम भारी है और पानी में नीचे बैठ जाता है, तो वह प्राकृतिक रूप से पका है।

केमिकल वाला आम- अगर आम पानी की सतह पर तैरने लगे, तो समझ लीजिए कि उसे केमिकल से पकाया गया है। केमिकल के कारण आम के अंदर पल्प और शुगर ठीक से विकसित नहीं हो पाते, जिससे वे हल्के रह जाते हैं।

■ काटने पर अंदर का हिस्सा

जब आप केमिकल से पके आम को काटते हैं, तो वह बाहर से तो नरम लग सकता है, लेकिन अंदर से सख्त, पीला या सफेद निकल सकता है। केमिकल से पका आम रसीला नहीं होता और उसका गूदा रबड़ जैसा महसूस हो सकता है। प्राकृतिक आम पूरी तरह से रसदार होता है और गुठली तक समान रूप से पका होता है।

बालकनी में भी आसानी से उगाएं ये सब्जियां

1. टमाटर: टमाटर घर पर उगाई जाने वाली सबसे लोकप्रिय सब्जियों में से एक है. इसकी सबसे अच्छी बात यह है कि यह छोटी बालकनी में रखे गमलों में भी आसानी से उग जाता है. चूंकि टमाटर का इस्तेमाल लगभग हर भारतीय डिश में होता है, इसलिए इसे घर पर उगाना एक स्मार्ट और किफायती विकल्प है.

2. हरी सब्जियां: इसमें धनिया, पुदीना, पालक और मेथी जैसी चीजें शामिल हैं.

धनिया और पुदीना: ये चटनी बनाने और खाने की सजावट के लिए रोज़ाना काम आते हैं.

पालक और मेथी: ये सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं.

इन सब्जियों की खासियत यह है कि ये बहुत जल्दी उग जाती हैं और इन्हें उगाने में ज्यादा मेहनत या जगह की जरूरत नहीं पड़ती.

3. नींबू: नींबू का पौधा फल देने में थोड़ा समय जरूर लेता है, लेकिन एक बार फल आने पर इसका फायदा बहुत अच्छा होता है. यह घर की खास जरूरतों में से एक है. जब भी ज़रूरत हो, आप अपनी मेहनत से उगाया हुआ ताज़ा और रसीला नींबू तोड़कर इस्तेमाल कर सकते हैं.

4. मिर्च: मिर्च के बिना भारतीय खाना अधूरा लगता है. मिर्च के पौधे थोड़ी देखभाल और सही धूप की मांग करते हैं, लेकिन अगर इन्हें सही पानी और रोशनी मिले, तो ये बहुत अच्छी पैदावार देते हैं. घर की उगी तीखी मिर्च का स्वाद बाज़ार वाली मिर्च से कहीं बेहतर होता है.

5. प्याज: लगभग हर सब्जी के तड़के और सलाद में प्याज का उपयोग होता है. किचन गार्डन में प्याज उगाना एक बहुत अच्छा विकल्प माना जाता है क्योंकि इसे ज्यादा खास देखभाल की जरूरत नहीं होती और यह कम जगह में भी अच्छी तरह पनप जाता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

प्रेमिका के गांव में प्रेमी की घेरकर पिटाई

बस्ती. उत्तर प्रदेश के बस्ती में देर रात अपनी प्रेमिका से मिलने गया एक युवक बुरा फंसा। युवक किसी जानने वाले से कार मांगकर ले गया था। लेकिन प्रेमिका के गांव में पहुंचते ही गांववालों को उसके आने की भनक लग गई। गांववालों ने उसे घेर लिया और जमकर पिटाई शुरू कर दी। यहां तक कि मांग कर लाई गई युवक की कार भी गांववालों के गुस्से का शिकार हो गई। गांववालों ने कार तोड़ डाली। युवक की पिटाई के दौरान उसके साथ मौजूद उसके भाई को भी गांववालों ने नहीं बख्शा।

लोडर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

रायबरेली. रायबरेली के हरचंदपुर अटौरा संपर्क मार्ग पर बीते मंगलवार देर रात निमंत्रण से वापस लौट रहे बाइक सवार दो भाइयों को बेकाबू लोडर ने टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दोनों भाई गंभीर रूप से घायलहो गए। आसपास के लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद बड़े भाई को मृत घोषित कर दिया तो वही घायल हुए छोटे भाई का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

बहराइच. बहराइच में थाना पयागपुर क्षेत्र के अंतर्गत चौकी खुटेहना के पास सरसा रेलवे ट्रैक पर मंगलवार की रात एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। रेलवे लाइन पार कर रहा था। उसी समय हादसा हुआ। घटना के समय बहराइच की तरफ से आ रही स्पेशल ट्रेन गोंडा की ओर जा रही थी। युवक की पहचान ग्राम सरसा निवासी रामगोपाल (27) पुत्र मदारी के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि ट्रेन की टक्कर से युवक उछलकर दूर जा गिरा। मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर खुटेहना चौकी इंचार्ज गोपाल सिंह तत्काल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दो पक्षों में मारपीट पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

बाराबंकी. बाराबंकी थाना क्षेत्र में जमीन के कब्जेदारी को लेकर दो पक्षों में लाठी डंडे चलने से पीड़िता की पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गई। थाना क्षेत्र मसौली अंतर्गत ग्राम मेढिया निवासी रामकली पत्नी रामबक्श ने दी गई तहरीर में कहा है कि गाटा सं 447 व 1044 मेरे पति राम बक्श व लजाना के नाम दर्ज है। बीते 3 मई 2026 की शाम करीब 6 बजे अपने खेत में बेटी शिवानी, पति रामबाक्श, लजाना और बेटी कौशल खेत में लगी मेंन्था की फसल की निराई कर रहे थे। तभी विपक्षी विरेन्द्र कुमार, प्रद्युम कुमार पुत्रगण स्व. मुनेश्वर, अर्चना पत्नी प्रद्युम कुमार, रंगोली पुत्री प्रद्युम्न कुमार खेत पर आकर निराई करने से मना करने लगे तो पीड़िता के पक्ष के लोगों द्वारा कहा गया कि हम अपने खेत में काम रह रहे हैं, तो रंगोली व अर्चना आदि लोग मिलकर पीड़िता की बेटी शिवानी को बाल पकड़कर जमीन पर गिरा दिया और लाठी डंडे से इतना मारा कि शिवानी की सीने पर गंम्भीर चोटे आयी है।

बंगाल में BJP भी चुनेगी महिला मुख्यमंत्री?

- इन नामों पर चर्चाएं तेज, 9 मई को है शपथ ग्रहण
- ये महिलाएं हो सकती हैं सीएम पद की दावेदार
- अग्निमित्रा पॉल

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई, शनिवार को होना है। हालांकि, अब तक साफ नहीं है कि राज्य में मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी किसे दी जाएगी, लेकिन अटकलें हैं कि भाजपा भी महिला सीएम चुन सकती है। अब तक पार्टी ने सीएम चेहरे के नाम का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि ममता बनर्जी को लगातार दो बार हराने वाले शुभेंदु अधिकारी पद के प्रबल दावेदार हैं।

पश्चिम बंगाल की आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल ने तृणमूल कांग्रेस के तापस बनर्जी को 40,839 वोट से शिकस्त देकर अपनी सीट बरकरार रखी। निर्वाचन आयोग ने कहा कि पॉल को 1,19,582 वोट मिले जबकि बनर्जी को 78,743 वोट मिले।

साल 2019 में भाजपा में शामिल होने के बाद वह पार्टी की महिला मोर्चा की प्रमुख बन गईं थीं। साल 2021 में उन्होंने पहली बार बंगाल विधानसभा चुनाव लड़ा और तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार सयोनी घोष को हरा दिया था। जनवरी 2026 में ही वह बंगाल भाजपा की उपाध्यक्ष बनी थीं। राजनीति में आने से पहले वह मशहूर फैशन डिजाइनर थीं। उन्होंने अपना ब्रांड Inga शुरू किया था।

अमित शाह को मिली जिम्मेदारी

भाजपा ने बंगाल में अपने विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पार्टी का केंद्रीय पर्यवेक्षक नामित किया। अधिसूचना के अनुसार, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को पश्चिम बंगाल में भाजपा के विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

ये नाम भी हैं दौड़ में

खबरें हैं कि बंगाल में सीएम चुनने के लिए भाजपा में जल्द ही बैठकों का दौर शुरू होने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत कई बड़े नाम एक या दो दिन में बैठक कर सकते हैं। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि भवानीपुर और नंदीग्राम में जीत का परचम लहराने वाले शुभेंदु अधिकारी दिल्ली तलब किए जा सकते हैं। अधिकारी के अलावा दौड़ में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, पूर्व प्रदेश प्रमुख दिलीप घोष और RSS यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक के बड़े चेहरे उत्पल महाराज का नाम भी हो सकता है।

रूपा गांगुली

गांगुली को भाजपा का दामन थामे करीब 10 साल होने को हैं। वह इस बार सोनारपुर दक्षिण सीट से मैदान में थीं, जहां उन्होंने टीएमसी प्रत्याशी अरुंधति मैत्रा को 35 हजार से ज्यादा मतों के अंतर से हराया है। खास बात है कि वह बीआर चोपड़ा के टीवी सीरियल महाभारत में द्रौपदी का किरदार निभाकर लोकप्रिय हुईं थीं। वह साल 2016 से 2022 तक राज्यसभा सांसद भी रहीं हैं।

विजय को कांग्रेस ने दिया समर्थन

- लेकिन रख दी एक शर्त
- AIADMK के पास पहुंची TVK

चेन्नई. तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में इस वक्त नई सरकार बनाने को लेकर हलचल मची हुई है। बुधवार को कांग्रेस ने विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (TVK) को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने का एलान कर दिया है। हालांकि, कांग्रेस ने इस समर्थन के साथ एक शर्त भी जोड़ दी है।

कांग्रेस ने कहा है कि वह विजय को समर्थन देने के लिए तैयार है, लेकिन यह गठबंधन इस शर्त पर होगा कि TVK इस गठबंधन से ऐसी किसी भी सांप्रदायिक शक्ति को दूर रखेगी जो भारत के संविधान में विश्वास नहीं रखती है। हालांकि कांग्रेस ने किसी पार्टी का नाम नहीं लिया।

- कांग्रेस ने चिट्ठी में क्या कहा?

विजय को लिखे पत्र में कांग्रेस ने कहा कि तमिलनाडु की जनता, खासकर युवाओं ने एक धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और जनहितैषी सरकार के लिए जनादेश दिया है। कांग्रेस ने इसे अपना संवैधानिक कर्तव्य बताते हुए कहा कि यह गठबंधन केवल सरकार बनाने के लिए नहीं है, बल्कि भविष्य के स्थानीय निकाय चुनाव, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों के लिए भी है। पार्टी का लक्ष्य 'कामराज' के गौरवशाली दिनों और 'पेरियार' के सामाजिक न्याय के आदर्शों को वापस लाना है।

- AIADMK के पास पर पहुंची TVK

कांग्रेस के 5 विधायकों के समर्थन के बावजूद विजय के लिए सरकार बनाना अब भी एक बड़ी चुनौती है। TVK की 107 और कांग्रेस की 5 सीटें मिलाकर 112 सीटें ही पूरी हो पा रही हैं और सरकार बनाने के लिए अब भी 6 और विधायकों की जरूरत होगी। इस बीच खबर है कि समर्थन जुटाने की खातिर TVK AIADMK के पास पर पहुंची है। बुधवार को TVK के महासचिव एन. आनंद ने AIADMK के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी (EPS) से मुलाकात की, जिसके बाद राज्य में नए सियासी गठबंधन की सुगबुगाहट तेज हो गई है।

बहुमत से दूर विजय की पार्टी

गौरतलब है कि तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए 118 सीटों के बहुमत के आंकड़े की जरूरत है। 234 सीटों पर विधानसभा चुनावों में विजय की पार्टी TVK 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है हालांकि यह आंकड़ा बहुमत से 10 कम है। वहीं विजय ने खुद दो सीटों, तिरुचिरापल्ली पूर्व और पेरम्बूर से चुनाव जीता है, जिनमें से एक उन्हें छोड़नी होगी। इस तरह TVK की प्रभावी संख्या 107 रह जाती है।

वंदे मातरम् गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा

- कैबिनेट की मंजूरी
- अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना;
- जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद PM नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा।

असम में 12 मई को शपथ

- PM मोदी रहेंगे मौजूद
- सरमा ने बताया- कब चुना जाएगा नया सीएम

गुवाहाटी. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की और उन्हें इस्तीफा सौंप दिया। फिलहाल वह नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यभार संभालेंगे। जानकारी मिल रही है कि नई सरकार का शपथ समारोह 12 मई को होगा और इस आयोजन में पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के तमाम सीनियर नेता मौजूद रहेंगे।

सूत्रों का कहना है कि लगातार तीसरी बार हिमंत बिस्वा सरमा को ही मुख्यमंत्री का पद मिलने की संभावना है। हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्यपाल से मुलाकात के बाद एक फिर से राज्य की जनता का धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि असम के लोगों ने हमारी सरकार पर भरोसा जताया है। उन्होंने पीएम मोदी के प्रति अपना समर्थन जताया है। जनता चाहती है कि असम में विकास की गंगा बह रही है, वह जारी रहे। असम के सीएम को लेकर जब हिमंत बिस्वा सरमा से पूछा गया तो उन्होंने अपने बारे में कुछ भी नहीं कहा। उनका कहना था कि राज्य में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक होगी। इस मीटिंग में ही असम के नए मुख्यमंत्री का चुनवा किया जाएगा।

भाजपा इससे पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में भी नेतृत्व को लेकर चौंका चुका है। ऐसे में हिमंत बिस्वा सरमा रिपीट होंगे या नहीं। इसे लेकर स्पष्ट तौर पर कुछ भी कहना मुश्किल है। हालांकि सीएम हिमंत ही रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि हिमंत बिस्वा सरमा की पिछले दो कार्यकालों में एक सख्त नेता की छवि बनी है।

राहुल गांधी का पीए बताकर उत्तराखंड की महिला से ठगी

देहरादून. देहरादून में ठग ने राहुल गांधी का पीए बताकर महिला से 25 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। आरोपियों ने विधानसभा चुनाव में टिकट दिलाने का भरोसा देकर महिला को झांसे में लिया।

इस दौरान आरोपी ने महिला को प्रदेश के बड़े नेताओं की आवाज भी सुनाई। भरोसा जीतने के बाद अलग-अलग बहानों से उससे बड़ी रकम वसूली गई, जिसके बाद आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। पीड़िता के अनुसार, जब वादा पूरा नहीं हुआ तो महिला को ठगी का एहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पंजाब में डबल धमाकों के पीछे PAK?

- ऑपरेशन सिंदूर की बरसी से पहले खुफिया एजेंसियों ने चेताया
- ISI कनेक्शन जोड़ा

अमृतसर. पंजाब के जालंधर और अमृतसर में मंगलवार (5 मई) की रात सीमा सुरक्षा बल (BSF) मुख्यालय के करीब संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) से जुड़े उच्च तीव्रता वाले विस्फोटों ने सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन 'सिंदूर' की पहली बरसी से ठीक पहले इस तरह के हमले पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी Inter-Services Intelligence (ISI) के संगठित पैटर्न को दिखाती हैं। एजेंसी के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर की बरसी से पहले ISI एक बार फिर राज्य में लो-इंटेंसिटी आतंकी गतिविधियों को सक्रिय करने की कोशिश कर रही है।

इंटेलिजेंस एजेंसी के मुताबिक, पंजाब में हुए डबल धमाके कोई अलग-थलग घटनाएं नहीं, बल्कि एक संगठित पैटर्न का हिस्सा है और पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है। दरअसल, पिछले साल ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारतीय सैन्य कार्रवाई में पाकिस्तान नूर खान एयरबेस और उससे जुड़े ऑपरेशनल चैनलों को भारी नुकसान हुआ था, जिससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और आज तक उबर नहीं पाया है। इतना ही नहीं भारत ने सीमा पार से चलने वाले आतंकी नेटवर्क को भी करारा झटका दिया था।

ISI की हताशा का परिणाम

खुफिया सूत्रों के हवाले से न्यूज 18 की रिपोर्ट में कहा गया है कि BSF के सेक्टर ऑफिस पर हुए हालिया हमले ISI की हताशा के परिणाम हैं। सूत्रों का कहना है कि ISI अब भारत में गैंगस्टरों का इस्तेमाल कर रही है और सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों के ठिकानों पर कम तीव्रता वाले हमले करवा रही है। खुफिया सूत्रों ने बताया कि एजेंसियों को सुरक्षा संस्थानों को निशाना बनाने की कोशिशों के बारे में पहले से ही संकेत मिल गए थे। यह इस बात का संकेत है कि दुश्मन ताकतें भारतीय सुरक्षा बलों का मनोबल तोड़ने और असुरक्षा का माहौल पैदा करने की लगातार कोशिश कर रही हैं।

I-PAC से समाजवादी पार्टी ने तोड़ा नाता

ममता की हार के बाद अखिलेश का बड़ा फैसला

लखनऊ. पश्चिम बंगाल में ममता की हार के बाद समाजवादी पार्टी ने चुनाव प्रबंधन कंपनी आई-पैक (I-PAC) से नाता तोड़ लिया है। लखनऊ में प्रेसवार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हां हमारा संबंध उनसे था। कुछ महीने हमारे साथ उन्होंने काम किया। अब हम साथ काम नहीं कर पा रहे हैं। फंड की कमी है, हम इतने फंड नहीं दे सकते हैं। कई कंपनियों के नाम भी लिए।

दरअसल, आई-पैक के पास ही पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के चुनावी कैंपेन की जिम्मेदारी थी। यूपी में 2027 के लिए अखिलेश ने अपनी चुनावी रणनीति काम आई-पैक को ही सौंप रखा था। बताया जा रहा है कि अखिलेश ने आई-पैक कंपनी के साथ 2025 में दिल्ली में पहली मीटिंग की। अखिलेश जब जनवरी में बंगाल गए तो दोबारा मुलाकात हुई। इसके बाद सपा ने IPAC को हायर किया। चर्चा यह भी है कि समझौता टूटने के पीछे बजह ईडी की छापेमारी भी है। हालांकि अखिलेश यादव ने सिर्फ दूरी की वजह फंड की कमी ही बताई है।

अखिलेश बोले- भाजपा ने बंगाल में यूपी जैसी वोट डकैती की

बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में यूपी जैसी वोट डकैती की। जो ममता ने देखा है, वह सपा 2022 में कन्नौज की छिबरामऊ सीट पर देख चुकी है। 2022 में यूपी में पुलिसकर्मियों ने ड्रेस बदलकर फर्जी वोट डाले थे। एक जाति के अधिकारियों को लगाया गया था, 2019 के लोकसभा में जब मैं हारा था। सब अधिकारी मुख्यमंत्री के सजातीय थे।अखिलेश यादव ने यूपी के चुनाव में कुंदरकी, मिल्कीपुर व अन्य सीटों पर बाईइलेक्शन में भाजपा पर वोटों की डकैती का आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल में ममता दीदी के साथ भी यही हुआ है। 27 में पीडीए ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा, जनता चुनाव लगेगी।

नेपाल से ब्राउन शुगर ले जाते ई रिक्शा चालक गिरफ्तार

बहराइच. बहराइच में सशस्त्र सीमा बल 42 वी बटालियन रूपईडीहा बार्डर आउट पोस्ट व रूपईडीहा थाने की पुलिस की संयुक्त टीम ने ई रिक्शा चालक को भारी मात्रा में ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया है। सशस्त्र सीमा बल रूपईडीहा बार्डर आउट पोस्ट पर तैनात दरोगा मोहिन्दर सिंह, सहायक दरोगा दीवान सिंह व एसएसबी जवान, रूपईडीहा थाने में तैनात दरोगा अजय कुमार व पुलिस बल ने ई रिक्शा चालक रूपईडीहा थाने के केवलपुर निवासी फैयाज अहमद उर्फ पुच्चे को चकिया रोड से शिवपुर मोहरनियां ई रिक्शा से जाते समय रोक तलाशी ली।

अहमदाबाद में होगा IPL फाइनल

- BCCI ने जारी किया शेड्यूल
- प्लेऑफ के 2 मैच न्यू चंडीगढ़ और 1 धर्मशाला में

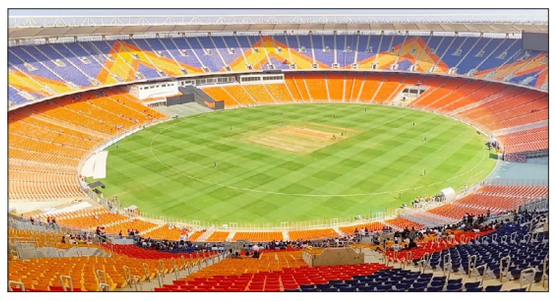

IPL-2026 के प्लेआफ का शेड्यूल

मैच	तारीख	समय	वेन्यू
क्वालिफायर-1	26 मई 2026	शाम 7:30	धर्मशाला
एलिमिनेटर	27 मई 2026	शाम 7:30	न्यू चंडीगढ़
क्वालिफायर-2	29 मई 2026	शाम 7:30	न्यू चंडीगढ़
फाइनल	31 मई 2026	शाम 7:30	अहमदाबाद

IPL के मौजूदा सीजन का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में खेला जाएगा। वहीं, प्लेऑफ के तीन मैच दो अलग-अलग शहरों, न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला में होंगे। धर्मशाला में क्वालिफायर-1 खेला जाएगा। न्यू चंडीगढ़ में क्वालिफायर-2 और एलिमिनेटर मैच होंगे। BCCI ने बुधवार को प्लेऑफ और फाइनल का शेड्यूल जारी किया है। इससे पहले सिर्फ 70 लीग मैचों का शेड्यूल जारी हुआ था।

पहले BCCI की योजना थी कि फाइनल मैच बेंगलुरु में कराया जाए। BCCI ने बताया कि कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन की कुछ मांगे ऐसी थीं जो बोर्ड के प्रोटोकॉल और गाइडलाइंस के दायरे से बाहर थीं। इसी वजह से फाइनल का वेन्यू बदलना पड़ा।

- टिकट विवाद के बाद फाइनल के वेन्यू में बदलाव

कर्नाटक के कांग्रेस विधायक विजयानंद काशप्पनवर ने सुझाव दिया कि हर विधायक और सांसद को कम से कम 5 IPL टिकट मिलने चाहिए।

उनका कहना था कि जनप्रतिनिधि 'VIP' हैं और उन्हें टिकट के लिए लाइन में नहीं लगना चाहिए। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने घोषणा की कि विधायकों और सांसदों को RCB के मैचों के लिए 3-3 टिकट दिए जाएंगे।

BCCI और फ्रेंचाइजी इस व्यवस्था के पक्ष में नहीं थे, जिसके चलते फाइनल को बेंगलुरु से हटाने का फैसला लिया गया।

- अहमदाबाद में लगातार दूसरे साल फाइनल मुकाबला

सीजन का ग्रैंड फिनाले 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मोदी स्टेडियम लगातार दूसरे साल खिताबी मुकाबले की मेजबानी करेगा। IPL 2025 का फाइनल भी यहीं खेला गया था, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने पंजाब किंग्स को हराकर ट्रॉफी जीती थी।

पंजाब किंग्स टेबल में टॉप पर

IPL 2026 में 70 लीग मैचों के साथ कुल 74 मैच खेले जाएंगे। 28 मार्च 2026 को शुरू हुए इस टूर्नामेंट में, अब तक 48 मैच हो चुके हैं और प्लेऑफ की दौड़ रोमांचक हो गई है। पंजाब किंग्स (PBKS) अभी 13 पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर है, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) सबसे निचले पायदान पर है।

पब्लिक वाई-फाई का पूरे देश में एक पासवर्ड होगा

- अब बार-बार ओटीपी से राहत मिलेगी
- देश में 4 लाख हॉट स्पॉट
- ट्राई ने सुझाव मांगे

नई दिल्ली. सरकार पीएम-वाणी की विफलता से सबक लेते हुए एक नया और उन्नत पब्लिक वाई-फाई सिस्टम लाने की तैयारी कर रही है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य यूजर अनुभव को बेहतर बनाना और डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाना है।

अब यूजर्स को हर हॉटस्पॉट के लिए अलग ओटीपी की जरूरत नहीं होगी। देशभर में फैले 4 लाख हॉटस्पॉट पर एक ही ओटीपी या पासवर्ड से लॉगिन किया जा सकेगा। दूरसंचार नियामक (ट्राई) ने इसका परामर्श-पत्र जारी करके लोगों से सुझाव मंगाए हैं।

सार्वजनिक वाई-फाई को सुरक्षित बनाने के लिए 'वाई-फाई प्रोटेक्टेड एक्सेस 3' जैसे मानक लागू होंगे। इससे भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सुरक्षित यूपीआई और डिजिटल पेमेंट के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवर मिलेगा।

कमाई का मॉडल बनाना मकसद

पेपर के अनुसार, मौजूदा वाई फाई सिस्टम इसलिए नहीं चला क्योंकि यह यूजर की जरूरत नहीं बन पाया। साथ ही ऑपरेटर की कमाई नहीं बनी। इसलिए सरकार प्रस्तावित वाईफाई सिस्टम को ऑपरेटर के लिए कमाई का मॉडल बनाना चाहती है।

इसके लिए विज्ञापन-आधारित मॉडल, पेड प्लान व सब्सिडी (वायबिलिटी गैप फंडिंग) जैसे विकल्प दिए जाएंगे।

'कम्युनिटी वाई-फाई' मॉडल लागू होगा

शहरों में हाई-स्पीड इंटरनेट और गांवों में कम लागत वाला 'कम्युनिटी वाई-फाई' मॉडल लागू होगा। देश की 140 करोड़ की आबादी में अभी महज 2% लोग पब्लिक वाई-फाई उपयोग करते हैं।

दक्षिण कोरिया में 80%, अमेरिका में 70%, यूरोप-चीन में 60% व इंग्लैंड में 50% आबादी पब्लिक वाई-फाई का उपयोग करती है।

बंगाल में सत्ता जाने के बाद अभिषेक बनर्जी को झटका

कम हुई सुरक्षा, पड़ोसी मना रहे खुशी

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में सियासी समीकरण बदलने के बाद तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी को बड़ा झटका लगा है। ममता बनर्जी के भतीजे के घर के बाहर से सुरक्षा व्यवस्था कम कर दी गई है। आमतौर पर उनके घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहता था लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजों के सामने आने के बाद सुरक्षा व्यवस्था में कमी कर दी गई है। इलाके में रहने वाले लोगों ने इस घटनाक्रम पर खुशी जताई है। लोगों का कहना है कि अब वह उस रास्ते से आसानी से गुजर सकते हैं।

एएनआई से बात करते हुए स्थानीय निवासी सौरव बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर से कम हुई सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 4 मई के पहले तक टीएमसी सांसद के घर के बाहर भारी संख्या में बंगाल पुलिस बल तैनात रहता था। अब उस में कमी आई है। धीरे-धीरे सुरक्षाकर्मी वहां से हट रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह अभिषेक बनर्जी का घर है। इतना बड़ा घर बनवाया है। यहां पहले एक सांसद के लिए 300 से 350 पुलिसकर्मी तैनात रहते थे। अब स्थिति देखिकए, माहौल शांत तहै। लोग सड़कों पर चल सकते हैं। पहले हमें परेशानी होती थी।'

सौरव ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'यहां पर अभिषेक बनर्जी का घर है, लेकिन उन्होंने हमारे लिए कुछ नहीं किया। वह हमें धमकाते थेत, लेकिन अब लोग शांति से रह रहे हैं। अभी हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं। जो बदलाव आया है, वह बहुत अच्छा है।'

संक्षेप...

बाइक चोरी रैकेट का खुलासा

मुंबई. कांदिवली इलाके में पुलिस ने एक संगठित बाइक चोरी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। आरोपी चोरी की गई बाइकों को डिलीवरी राइडर्स को किराए पर देकर मोटी कमाई कर रहे थे।

जांच में सामने आया कि आरोपी शहर के अलग-अलग इलाकों से बाइक चोरी करते थे और फिर उन्हें ऑनलाइन फूड डिलीवरी या पार्सल सर्विस में काम करने वाले राइडर्स को किराए पर दे देते थे। कई राइडर्स को इस बात की जानकारी ही नहीं थी कि वे चोरी की गाड़ी चला रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने इस अवैध धंधे को एक व्यवस्थित नेटवर्क की तरह चला रखा था, जिसमें चोरी, फर्जी दस्तावेज और किराए पर वाहन देने का पूरा सिस्टम शामिल था।

मुंबई के इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में आग

- धुआं भरने से लोगों को बाहर निकाला गया
- मेट्रो सर्विस कुछ समय के लिए प्रभावित

मुंबई. मुंबई के अंधेरी ईस्ट में छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टी-2 के अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन पर बुधवार शाम 4:10 बजे आग लग गई। अफसरों ने फौरन लोगों को बाहर निकाला और परिसर को खाली कर दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

आग लगने के कारण मेट्रो एक्वा लाइन-3 के अंडरग्राउंड कॉरिडोर में आरे JVLR से कफ परेड के बीच मेट्रो सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित रहीं। नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि आग टेक्निकल रूम में लगी थी। हालांकि आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है।

आग लगने से धुआं पूरे अंडरग्राउंड स्टेशन परिसर में फैल गया था, जिसके कारण दमकलकर्मियों को राहत और बचाव अभियान के दौरान ब्रीदिंग उपकरणों का इस्तेमाल करना पड़ा। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (MMRCL) ने इसे मामूली घटना बताया है।

MMRCL ने एक बयान में कहा, 'आज छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (CSMIA)-T2 स्टेशन पर धुएं की एक मामूली घटना हुई, जिस पर मौके पर मौजूद टीम ने तुरंत काबू पा लिया।'

9 अप्रैल को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर गुरुवार शाम आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं। उन्होंने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही थी। आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित पावर हाउस के सीलिंग लेवल तक ही रही। वहां मौजूद इलेक्ट्रिक ट्रे, वायरिंग, केबल, इंस्टॉलेशन और इलेक्ट्रिक पैनल जल गए।

ठाणे सिविल अस्पताल में PCOD क्लिनिक का उद्घाटन

ठाणे. राज्य में महिलाओं का स्वास्थ्य बनाए रखने और हार्मोनल प्रॉब्लम PCOD जो खासकर शहरी इलाकों में अविवाहित युवतियों और रिप्रोडक्टिव उम्र की महिलाओं में बढ़ रही है, का समय पर इलाज देने के लिए महाराष्ट्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग की तरफ से आज पूरे राज्य में PCOD क्लिनिक शुरू किए गए हैं। इसी कैंपेन के तहत 6 मई को सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार के गाइडेंस में PCOD क्लिनिक का उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ धीरज महांगड़े ने PCOD के बारे में ज़रूरी गाइडेंस दी। उनके साथ, एक्सपर्ट गाइनेकोलॉजिस्ट और हॉस्पिटल की लेडी एम्प्लॉई ने मौजूद महिलाओं और मरीज़ों को PCOD के बारे में डिटेल में गाइडेंस दी।क्लिनिक का प्रारूप एवं उपलब्ध सेवाएं यह पीसीओडी क्लिनिक अब जिला अस्पताल में हर बुधवार को 'मेनोपॉज ओपीडी' के साथ नियमित रूप से खुला रहेगा। इस क्लिनिक में महिलाओं को निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाएंगी।विशेषज्ञ स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य जांच। हार्मोनल परिवर्तन के आधार पर आवश्यक चिकित्सा परीक्षण। एकीकृत दृष्टिकोण दवा। स्वास्थ्य एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श। विशेषज्ञों द्वारा आहार एवं जीवनशैली पर विशेष मार्गदर्शन।कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने उपस्थित लोगों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि

बदलती जीवनशैली और मानसिक तनाव के कारण युवतियों में पीसीओडी बढ़ रहा है। अगर सही समय पर निदान और इलाज किया जाए तो इस समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

सड़क पर लावारिस मिले 3 मासूम

- रोते-रोते बोले, मम्मी टॉफी लेने गई है
- लापता मां की तलाश में CCTV फुटेज खंगाल रही है पुलिस

कल्याण. डोंबिवली में सड़क किनारे तीन बच्चे रोते-बिलखते हुए मिले. तीनों बच्चों को उनकी मां टॉफी लाने के बहाने गई, लेकिन काफी देर बाद वापस नहीं आई, तो बच्चे रोने-चिल्लाने लगे. लापता मां को ढूंढ़ने के लिए अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है. सड़क पर लावारिस छोड़े गए तीनों बच्चों में एक लड़का और दो लड़कियां हैं, जिनकी उम्र 4-5 साल के बीच है.

सड़क किनारे रोते-बिलखते बच्चों को पुलिस थाने में पहुंचाया गया

मामला डोंबिवली पश्चिम का है, जहां तीनों मासूम को सड़क पर छोड़कर टॉफी लेन गई मां वापस लौटकर नहीं आई. एक स्थानीय महिला ने सड़क पर तीनों मासूमों को बिलखता देखा तो एक शिवसेना नेता की मदद से तीनों बच्चों को थाने के हवाले किया गया. अब पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुजेट के जरिए उसकी मां की तलाश में जुट गई है. सवाल है कि आखिर एक मां अपने को सड़क पर क्यों गई होगी?

शिवसेना नेता की मदद से थाने पहुंचाए गए तीनों लावारिश बच्चे

रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना नेता जयश्री यादव ने स्थानीय महिला की सूचना पर मौके पर पहुंची और लावारिश बच्चों को साथ लेकर विष्णु नगर थाने पहुंची और पुलिस को घटना की पूरी जानकारी दी. पुलिस अब बच्चों को की लापता मां की तलाश में जुट गई है. स्थानीय महिला ने बताया कि बच्चे काफी देर तक मां का इंतजार करते रहे, लेकिन उनकी मां वापस नहीं लौटी.

सवाल, मां ने किन परिस्थितियों में बच्चों को लावारिस छोड़ा होगा?

गौरतलब है तीनों मासूम अभी पुलिस की कस्टडी में मौजूद है. पुलिस तीनों बच्चों की मां को तलाशने जुटी है. इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आखिर किन परिस्थितियों में मां ने अपने बच्चों को लावारिस छोड़ा होगा. संभावना हो सकती है कि बच्चों को छोड़कर गई मां किसी सड़क दुर्घटना अथवा अनहोनी की शिकार हो गई हो.

कुर्ला में खड़ी AC डबल डेकर बस में रहस्यमयी आग

मुंबई: मुंबई के कुर्ला डिपो में खड़ी एक AC इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा टल गया। यह बस पहले से खराब थी और मेंटेनेंस के लिए खड़ी थी, फिर भी इसमें आग लगने की घटना ने अधिकारियों को हैरान कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, यह बस कई दिनों से डिपो में खड़ी थी और सेवा से बाहर थी। अचानक धुआं निकलने के बाद देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई और पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

फायर ब्रिगेड और डिपो स्टाफ ने मिलकर आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि घटना के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

प्राथमिक जांच में इस आग के पीछे बैटरी से जुड़ी 'थर्मल रनअवे' जैसी तकनीकी समस्या की आशंका जताई जा रही है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों में गंभीर जोखिम मानी जाती है। खासतौर पर जब वाहन चार्जिंग या मेंटेनेंस में होता है, तब यह खतरा बढ़ सकता है।

भिवंडी में नशे के कारोबार के खिलाफ राकांपा (अप) गुट का जोरदार प्रदर्शन

- गुटखा-ड्रग्स की होली जलाकर जताया कड़ा विरोध

भिवंडी. भिवंडी शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बढ़ते नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत गुट) ने जोरदार आंदोलन छेड़ दिया है.भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल के नेतृत्व में सैकड़ों राकांपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए गुटखा, कोकीन, चरस और अन्य मादक पदार्थों की प्रतीकात्मक होली जलाकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया.उक्त मौके पर राकांपा उपाध्यक्ष अमीर फारूकी, फहाद अंजुम, महेश, शमीम अंसारी व बड़ी संख्या में महिला,पुरुष कार्यकर्ता शामिल होकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर शहर को नशा मुक्त बनाने के लिए जोरदार नारेबाजी की.

गौरतलब हो कि,भिवंडी राकांपा शहर जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल ने आरोप लगाया कि, भिवंडी शहर और आसपास के क्षेत्र अब नशे के अवैध कारोबार का केंद्र बन चुके हैं.अन्य राज्यों और शहरों की पुलिस भी यहां छापेमारी कर करोड़ों रुपये के गुटखा, कोकीन और चरस जैसी प्रतिबंधित वस्तुओं को जब्त कर रही है, लेकिन स्थानीय पुलिस की कार्रवाई संतोषजनक नहीं दिख रही है.शहर के युवाओं का जीवन नशे से बर्बाद हो रहा है.शहर की हर गली,मोहल्ला में नशीला पदार्थ बिकने से युवाओं को आसानी से मिल रहा है.स्कूल,कालेज के आसपास भी नशे के सौदागर घूमते रहते हैं और शिक्षित बच्चों को बरगलाकर नशे का आदी बनाकर भविष्य बर्बाद कर रहे हैं.उन्होंने बताया कि पिछले महीने कोर्ट के आदेश पर रामनगर स्थित कचरा डंपिंग ग्राउंड में नष्ट किए गए गुटखे को गुटखा माफियाओं ने रात के समय फिर से निकालकर बेचने की कोशिश की. ग्रामीण एरिया रहनाल गांव के गोदाम से एनआईए की टीम करोड़ों रुपए की ड्रग, कोकीन जब्त की गई.करीब 6 माह पूर्व नदी नाका क्षेत्र में गुजरात एटीएस द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 800 करोड़ रुपए ड्रग्स का जखीरा बरामद किया था. पाटिल ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर ड्रग्स की अवैध गतिविधियों के पीछे किसका संरक्षण है ? उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण मादक पदार्थों का कारोबार खुलेआम जारी है.

जनप्रतिनिधियों द्वारा उक्त मुद्दे को विधानसभा में उठाने पर कुछ समय के लिए अवैध बिक्री पर रोक लगती है, लेकिन दुबारा शुरू हो जाती है. इससे यह स्पष्ट होता है कि इस पूरे नेटवर्क के पीछे किसी न किसी राजनेता का संरक्षण अवश्य है. राकांपा अध्यक्ष पाटिल ने जिला कलेक्टर डा.कृष्ण पांचाल सहित ,थाने पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे से मांग की है कि भिवंडी में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई की जाए.ड्रग्स रैकेट में शामिल अराजक लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई के साथ ही स्थानीय पुलिस की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच जरूरी है.

19 वर्षीय आरोपी को जमानत

मुंबई. पवई में हुए हिट एंड रन मामले में 19 वर्षीय आरोपी को अंधेरी कोर्ट से जमानत मिल गई है। इस फैसले के बाद मामले ने फिर से तूल पकड़ लिया है और सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं. यह घटना जोगेश्वरी-विखरोली लिंक रोड (JVLR) के पास हुई थी, जहां तेज रफ्तार कार ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी और फिर सड़क पार कर रहे कई लोगों को कुचल दिया। हादसे में चार लोग घायल हुए थे, जिनमें एक महिला की हालत गंभीर बताई गई थी। हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था, लेकिन बाद में उसने खुद पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

ठाणे की अदालत ने हत्या के मामले में 11 साल बाद 10 आरोपियों को बरी किया

ठाणे. ठाणे की एक अदालत ने 2014 के हत्या और दंगे के एक मामले में यह देखते हुए 10 आरोपियों को बरी कर दिया कि प्रमुख गवाह अभियोजन पक्ष का समर्थन करने में विफल रहे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए. एस. भागवत ने मंगलवार को अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका।

यह मामला महाराष्ट्र के ठाणे शहर के कालवा इलाके में 16 दिसंबर 2014 को हुई एक कथित हिंसक झड़प से जुड़ा है। इस हिंसा में भास्कर उर्फ शंकर अनंत कदम की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने चाकू और धारदार हथियारों से कदम और अन्य लोगों पर कथित तौर पर हमला कर दिया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान, अभियोजन पक्ष ने मृतक की पत्नी सहित 14 गवाहों से पूछताछ की। मृतक की पत्नी इस मामले में शिकायतकर्ता हैं। हालांकि, अदालत ने पाया कि उसने (मृतक की पत्नी ने) अपनी शुरुआती शिकायत में उल्लिखित इस बात से इनकार किया कि आरोपी ने मृतक को बार-बार पीटा था।

शिकायतकर्ता ने अपनी जिरह में यह भी कहा कि उसे उस दस्तावेज़ की सामग्री की जानकारी नहीं थी जिस पर उसने हस्ताक्षर किए थे और वह अपने बयानों में विसंगतियों के कारणों को नहीं बता सकती।

प्रत्यक्षदर्शियों ने भी हमलावरों की पहचान नहीं की और न ही इस बात की पुष्टि की कि उनके पास हथियार थे। न्यायाधीश ने 10 आरोपियों को बरी करने का आदेश देते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भारतीय शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत गैरकानूनी रूप से एकत्र होने, दंगा और हत्या सहित आरोपों को साबित करने में विफल रहा। मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक अन्य आरोपी की मौत हो चुकी थी, जिसके खिलाफ कार्यवाही अगस्त 2024 में समाप्त कर दी गई थी।

मध्य रेलवे की मोबाइल UTS सेवा हिट

मुंबई: मध्य रेलवे की मोबाइल UTS सुविधा को यात्रियों से जबरदस्त प्रतिसाद मिला है। अक्टूबर 2025 से शुरू हुई इस पहल के तहत अब तक 5.40 लाख से ज्यादा यात्रियों ने इसका लाभ उठाया है। शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

इस अवधि में मोबाइल UTS सहायकों ने करीब 3.86 लाख टिकट जारी किए, जिससे रेलवे को लगभग 6.89 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। यह सुविधा खासतौर पर उन यात्रियों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है, जिन्हें टिकट के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था। केवल अप्रैल 2026 के महीने में ही इस सेवा के जरिए 1.72 लाख यात्रियों को टिकट जारी किए गए, जिससे करीब 2.22 करोड़ की कमाई हुई।

श्याम भोईर चर्मकार क्रांति सेना के अध्यक्ष चुने गए

भिवंडी. भिवंडी के श्याम भोईर को चर्मकार क्रांति सेना का प्रेसिडेंट बिना किसी सहमति के चुना गया। इस सेना की स्थापना स्व. प्रोफेसर भगवान भोईर ने समाज को संगठित करने और रास्ता दिखाने के लिए की थी। यह चुनाव भिवंडी शहर के नारपोली में आइडियल इंग्लिश मीडियम स्कूल में पूर्व अध्यक्ष चंदू जाधव की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी बैठक में किया गया. इस मीटिंग में नई कार्यकारिणी भी चुनी गई. डॉ. देवीदास भोईर को अध्यक्ष, नरेश वालंज को वाइस प्रेसिडेंट, बड़कू शिंदे को वाइस प्रेसिडेंट और संजय रतन भोईर को कोषाध्यक्ष चुना गया। सत्यवान जाधव, गणेश शांताराम भोईर, दिलीप हरिश्चंद्र भोईर और संतोष लक्ष्मण भोईर को एग्जीक्यूटिव मेंबर चुना गया। पूर्व प्रेसिडेंट चंदू जाधव, लक्ष्मण वालंज और विश्वास गायकवाड़ को चर्मकार क्रांति सेना का एडवाइजर और एडवोकेट दिलीप वालंज को लीगल एडवाइजर चुना गया। नए चुने गए प्रेसिडेंट श्याम भोईर ने चुनाव के बाद कहा कि चर्मकार क्रांति सेना सामाजिक संगठन, ज्ञान और शिक्षा के मुद्दों पर काम करेगी और समाज के युवाओं को गाइड करने के लिए कई तरह की एक्टिविटीज़ की जाएंगी।

'टॉक्सिक' की फर्जी खबरों पर भड़कीं कियारा आडवाणी

- फिल्म में खुद के बोल्ड सीन्स हटाने की खबरों को बताया बकवास

यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' की लीड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने सोशल मीडिया पर चल रहीं फर्जी खबरों पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि कियारा ने यश के साथ अपने कुछ रोमांटिक और बोल्ड सीन्स को छोटा करने या हटाने की मांग की है। यह भी दावा किया जा रहा था कि कियारा ने यश के साथ एक 'बोल्ड रोमांटिक सीक्वेंस' शूट किया था। फाइनल आउटपुट देखने के बाद कियारा असहज हो गईं और उन्होंने मेकर्स से इसे ट्रिम करने की रिक्वेस्ट की। अब कियारा ने सोशल मीडिया पर इसी तरह की पोस्ट को री-शेयर करते हुए लिखा, "बिल्कुल बकवास"।

उन्होंने इस तरह की सभी खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है।

फिल्म में यश का डबल रोल

गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में यश 'राया' और 'टिकट' नाम के दो अलग-अलग किरदारों (डबल रोल) में नजर आएंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी के किरदार का नाम 'नादिया' है। इस गैंगस्टर ड्रामा में नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे स्टार्स भी अहम भूमिकाओं में हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता सुनील लकड़े BJP में शामिल

- पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल का स्वागत

शहापुर: S. L. फाउंडेशन के प्रेसिडेंट और शहापुर तालुका के सोशल एक्टिविस्ट सुनील लकड़े मंगलवार को कई कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटिल की मौजूदगी में हुए इस एंट्री से आने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में BJP की ताकत बढ़ गई है।

शहापुर में हुए ग्रैंड पार्टी एंट्री प्रोग्राम में पूर्व MLA पांडुरंग बरोरा, BJP के प्रदेश पदाधिकारी अशोक इरनक, जिलाध्यक्ष जितेंद्र डाकी, पूर्व तालुका प्रेसिडेंट भास्कर जाधव, शाहपुर पूर्व मंडल अध्यक्ष सुभाष हरड़, दक्षिण मंडल अध्यक्ष दीपक बोम्बे, शहापुर शहराध्यक्ष विवेक नार्वेकर, पी. के. म्हात्रे, तुकाराम भाकरे, अटगांव के सरपंच भास्कर बरोरा, गजानन गोरे, राम जागरे, जगन विशेष, प्रमोद बसवंत, विलास गेज, मनोज पानसरे और दूसरे बड़े लोग मौजूद थे।

पिछले कुछ सालों से सुनील लकड़े ने एस. एल. फाउंडेशन के ज़रिए तालुका के अलग-अलग हिस्सों में सोशल वर्क किया है। उनके काम की वजह से उन्हें युवाओं का सपोर्ट बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ, सुनील लकड़े ने BJP की जनहित की पॉलिसी को पसंद करते हुए BJP का झंडा थामा। उनके साथ कई युवा पुरुष और महिलाएं BJP में शामिल हुए।

मुंबई में फर्जी इन्वेस्टमेंट स्कैम

मुंबई. मुंबई में साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है, जहां एक रिटायर्ड सीनियर सिटीजन को फर्जी निवेश (इन्वेस्टमेंट) स्कीम के नाम पर 3.37 करोड़ का चूना लगा दिया गया। मामले के सामने आते ही साइबर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने खुद को निवेश सलाहकार बताकर पीड़ित को सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क किया। शुरुआत में छोटे-छोटे मुनाफे दिखाकर उनका भरोसा जीता गया और फिर बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। जैसे-जैसे पीड़ित निवेश बढ़ाता गया, आरोपी उसे नकली ऐप और वेबसाइट के जरिए फर्जी प्रॉफिट दिखाते रहे। जब पीड़ित ने पैसे निकालने की कोशिश की, तो उससे और शुल्क मांगा गया और अंततः संपर्क पूरी तरह बंद कर दिया गया। पीड़ित ने जब खुद को ठगा हुआ महसूस किया, तब पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099